

---

## Kailasavarnanam 7

---

# कैलासवर्णनम् ७

---

## Document Information

Text title : Kailasavarnanam 7

File name : kailAsavarNanam7.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mAheshvarAkhyah prathamAMshaH | adhyAyaH 27 -  
kailAsavarNane devIpUjAstutikathanam | 27-41||

Latest update : December 17, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 20, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

कैलासवर्णनम् ७



(कैलासशैले देवीमहासौधवर्णनम् ७)

स्कन्दः -

तत्र देव्या महासौधे नवरत्नविचित्रितम् ॥ २७ ॥

गर्भागारं महेशस्य रम्यन्देवीश्वरस्य च ।

प्राकारगोपुरोपेतं रत्नतोरणमण्डितम् ॥ २८ ॥

माणिक्यमुकुरोद्दामरुद्रक्रीडावृषैर्युतम् ।

सुरम्यरत्नकलशपताकाभ्राजिशेखरम् ॥ २९ ॥

तत्र लिङ्गं सुधापूरधवलीकृतदिङ्मुखम् ।

काकोदरफणाभ्राजिविल्वालङ्कन्तमस्तकम् ॥ ३० ॥

सुधाधामकखण्डोत्तरत्न(द्रव)गोलकभूषितम् ।

तद्वै देवीश्वरं लिङ्गं पूजयत्यम्बिका सदा ॥ ३१ ॥

सुधासागरनीरोत्थकलशैर्नवरत्नजैः ।

पञ्चामृतमहाधारागन्धमोदैश्च नीरकैः ॥ ३२ ॥

यक्षकर्दमजालेपवेष्टनाम्बरसुन्दरम् ।

विल्वचम्पकधत्तूरत्नपङ्कजमालिनी ॥ ३३ ॥

जातीसरावलीशोभिलिङ्गमौलिमनोहरम् ।

तत्कोलागरुजोधूपधूमैशिशवा तदा ॥ ३४ ॥

कुरुविन्दमणिज्योतिदीपैरुद्योतितान्तरम् ।

सुपुण्डरीकमालाभिर्नवनीलोत्पलस्रजा ॥ ३५ ॥

हरिन्मणिनिभैर्बिल्वैस्सहस्रैः पूजयेच्छिवा ।

भक्ष्यभोज्यवरान्नानां राशिभिश्शैलकन्यका ॥ ३६ ॥

ताम्बूलैः खदिरासारस्वर्णकर्पूरखण्डजैः ।

नीराजनैर्मुखरितशङ्खकाहलमदलैः ॥ ३७ ॥

वीणावेणुजमड्ढुत्थदुन्दुभ्यादिसुनिस्वनैः ।

रुद्राणीनर्तनैश्चैव योगिनीगणवादनैः ॥ ३८ ॥

त्रिकालं पूजयत्येवं त्रिपुण्ड्रललितालका ।

रुद्राक्षकीलितापारमुक्तामणिसरोज्वला ॥ ३९ ॥

सोमशौचे वाससी साप्यरजे धारिणी शिवा ।

संस्तुवन्ती महालिङ्गं देवीश्वरमतन्द्रिता

कृताञ्जलिपुटा देवी प्रकृष्टञ्चाष्टविग्रहम् ॥ ४१ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते माहेश्वराख्ये कैलासशैले देवीमहासौधवर्णनम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । माहेश्वराख्यः प्रथमांशः । अध्यायः २७ - कैलासवर्णने  
देवीपूजास्तुतिकथनम् । २७-४१ ॥

- .. shrIshivarahasyam . mAheshvarAkhyaH prathamAMshaH . adhyAyaH 27 -  
kailAsavarNane devIpUjAstutikathanam . 27-41..

Notes:

Skanda स्कन्द describes about the grand residence of Devī देवी Mount Kailāsa कैलास शैल; and mentions about the Devīśvara Śivaliṅga देवीश्वर शिवलिङ्ग that She worships there. Śivarahasyam Aṃśaḥ-1 (Māheśvarākhyā) शिवरहस्यम् अंशः-१ (माहेश्वराख्य) has several descriptions about Mount Kailāsa कैलास शैल and Śiva शिव. Selected verses from some of the chapters are presented here.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

—  
*Kailasavarnanam 7*

pdf was typeset on December 20, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

